श्रीः
श्रीमते रामानुजाय नमः
श्रीमते निगमान्तमहादेशिकाय नमः

श्रीमन्निगमान्तमहादेशिकैः अनुगृहीतम्

॥ श्री सुदर्शनाष्टकम् ॥

This document has been prepared by

Sunder Kidāmbi

with the blessings of

श्री रङ्गरामानुज महादेशिकन्

His Holiness śrīmad āṇḍavan śrīraṅgam

श्रीः

श्रीमते रामानुजाय नमः

श्रीमते निगमान्तमहादेशिकाय नमः

॥ श्री सुदर्शनाष्टकम् ॥

श्रीमान् वेङ्कटनाथार्यः कवितार्किककेसरी।
वेदान्ताचार्यवर्यो मे सन्निधत्तां सदा हृदि ॥

प्रतिभटश्रेणिभीषण वरगुणस्तोमभूषण
जनिभयस्थानतारण जगदवस्थानकारण।
निखिलदुष्कर्मकर्शन निगमसद्धर्मदर्शन
जय जय श्रीसुदर्शन जय जय श्रीसुदर्शन ॥ 1 ॥

शुभजगद्रूपमण्डन सुरगणत्रासखण्डन
शतमखब्रह्मवन्दित शतपथब्रह्मनन्दित।
प्रथितविद्वत्सपक्षित भजदहिर्बुध्न्यलक्षित
जय जय श्रीसुदर्शन जय जय श्रीसुदर्शन ॥ 2 ॥

स्फुटतटिज्जालपिञ्जर पृथुतरज्वालपञ्जर
परिगतप्रत्नविग्रह पटुतरप्रज्ञदुर्ग्रह।
प्रहरणग्राममण्डित परिजनत्राणपण्डित
जय जय श्रीसुदर्शन जय जय श्रीसुदर्शन ॥ 3 ॥

निजपदप्रीतसद्गण निरुपधिस्फीतषड्गुण
निगमनिर्व्यूढवैभव निजपरव्यूहवैभव।
हरिहयद्वेषिदारण हरपुरप्लोषकारण
जय जय श्रीसुदर्शन जय जय श्रीसुदर्शन ॥ 4 ॥

दनुजविस्तारकर्तन जनितमिस्राविकर्तन
दनुजविद्यानिकर्तन भजदविद्यानिवर्तन।
अमरदृष्टस्वविक्रम समरजुष्टभ्रमिक्रम
जय जय श्रीसुदर्शन जय जय श्रीसुदर्शन ॥ 5 ॥

प्रतिमुखालीढबन्धुर पृथुमहाहेतिदन्तुर
विकटमायाबहिष्कृत विविधमालापरिष्कृत।
स्थिरमहायन्त्रतन्त्रित दृढदयातन्त्रयन्त्रित
जय जय श्रीसुदर्शन जय जय श्रीसुदर्शन ॥ 6 ॥

महितसंपत्सदक्षर विहितसंपत्षडक्षर
षडरचक्रप्रतिष्ठित सकलतत्त्वप्रतिष्ठित।
विविधसङ्कल्पकल्पक विबुधसङ्कल्पकल्पक
जय जय श्रीसुदर्शन जय जय श्रीसुदर्शन ॥ 7 ॥

भुवननेत्रत्रयीमय सवनतेजस्त्रयीमय
निरवधिस्वादुचिन्मय निखिलशक्ते जगन्मय।
अमितविश्वक्रियामय शमितविष्वग्भयामय
जय जय श्रीसुदर्शन जय जय श्रीसुदर्शन ॥ 8 ॥

द्विचतुष्कमिदं प्रभूतसारं पठतां वेङ्कटनायकप्रणीतम्।
विषमेऽपि मनोरथः प्रधावन् न विहन्येत रथाङ्गधुर्यगुप्तः ॥ 9 ॥

॥ इति श्री सुदर्शनाष्टकं समाप्तम् ॥

कवितार्किकसिंहाय कल्याणगुणशालिने।
श्रीमते वेङ्कटेशाय वेदान्तगुरवे नमः ॥